>

Title: Regarding rebate on Khadi.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अध्यक्ष महोदया, बाहर बारिश हो रही है और पानी यहां गिर रहा है।...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, मैं आपके समक्ष बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल उठा रहा हूं इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सवाल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से जुड़ा हुआ है। खादी ग्राम उद्योग कैसे शुरु हुआ? गांधी जी ने चरखा चलाने के लिए स्वयं पूरे देश का ध्यान आकर्षित क्यों किया। जो गरीब लोग हैं और जो देहात के लोग हैं चाहे महिलाएं हों या पुरुष हों, उनको अगर कोई काम नहीं मिल सकता है तो अपने हाथ से चरखा चलाकर सूत की कताई करके गरीब घर की महिलाएं, जो बाहर भी नहीं जा सकती हैं और मध्यम वर्ग की महिलाओं को भी इससे काम मिल रहा था। इससे लाखों लोगों को काम मिल रहा है और उसमें सब्सिडी दी जा रही है। महात्मा गांधी जी के जन्मदिवस से यानी 2 अक्तूबर से लेकर कुछ दिनों तक खादी पर छूट दी जाती है और खादी खरीदने के लिए हम लोग खुद इंतजार करते हैं। आप विश्वास करें कि हम लोग साल में खादी एक ही बार खरीदते हैं। 2 अक्तूबर के बाद खरीदते हैं क्योंकि उस पर छूट मिलती है। 80 से लेकर 85 फीसदी लोग ऐसे हैं कि सब्सिडी मिलेगी तभी खादी कपड़ा खरीदेंगे। अब यह बंद करने से सबसे बुरा प्रभाव यह होगा कि जो गरीब पुरुष हैं जिन्हें कोई काम नहीं मिल रहा है, जो घर बैठकर सूत कातकर गांधी आश्रम को सप्लाई करते हैं, उनको काम मिलना बंद हो जाएगा क्योंकि पूरे हिन्दुस्तान का गांधी आश्रम खत्म होने जा रहा है, बंद होने जा रहे हैं।...(व्यवधान) इसलिए गांधी जी से जुड़ा हुआ मामला है। अब आपको हम दिखा सकते हैं कि गरीब लोग चरखा चला रहे हैं और पूरे हिन्दुस्तान में आज हम लोग खादी पहने हुए हैं। हम खुद चिंतित हैं और जो गांधी आश्रम का कपड़ा खरीदते हैं, कम से कम 80-85 फीसदी लोग खादी खरीदते हैं। अब 60-70 फीसदी लोग ही खरीदेंगे।

हो सकता है पांच फीसदी ही लोग खरीदें। इस तरह से हमारे देश में गांधी आश्रम को खत्म करने की साजिश है।...(व्यवधान) यह गांधी जी से जुड़ा हुआ है, गांधी जी एक रास्ता बता गए थे। गांधी विरोधी लोग इस तरह का निर्णय दे रहे हैं। लेकिन सरकार ऐसा क्यों कर रही है? अब तक तो गांधी जी का नाम लेकर सरकार में बने हुए हैं। गांधी जी को शारीरिक दृष्टि से गोडसे ने मारा है और विचारों की दृष्टि से सरकार मार रही है। आप इसे गंभीरता से लीजिए, स्वयं बीच में पड़िए और किसी तरह से गांधी आश्रम को चलने दीजिए। ये गरीब लोग हैं। महिलाएं मध्यम वर्ग और गरीब घरों की हैं, जो घरों में बैठकर सूत कातती हैं और गांधी आश्रम को सप्लाई करती हैं। मेरा इतना ही कहना है और मेरी प्रार्थना है कि गांधी आश्रम को बचाया जाए और सरकार तत्काल 30 फीसदी सब्सिडी देने की घोषणा करे। ...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): अध्यक्ष महोदया, मैं अपने आपको इस मामले के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री एम.बी.राजेश (पालक्काड़): अध्यक्ष महोदया, मैं अपने आपको इस मामले के साथ संबद्ध करता हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री गोपी नाथ मुंडे।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। इन्हें बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। मंत्री जी को बोलने दीजिए। रघुवंश प्रसाद जी, आप इतनी जोर से क्यों बोल रहे हैं? आप इतनी जोर से मत बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुंडे जी, आप क्यों बैठ रहे हैं? आपको तो बोलना है। आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं। मंत्री जी, आप बोलना चाहते हैं?

योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री वी.नारायणसामी): जी, हां।

अध्यक्ष महोदया : आप बैठेंगे तभी तो वे बोलेंगे। मुलायम सिंह जी, आप बैठ जाइए।

श्री मुलायम सिंह यादव : लालू जी को भी बोलने दीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : नहीं। आप उन्हें कैसे कह रहे हैं कि बोलिए? आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद (सारण): हम आपके हुक्म से बोलेंगे, इनके हुक्म से नहीं बोलेंगे।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप अभी बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI V. NARAYANASAMY: The hon . senior leader, Shri Mulayam Singh Yadav, has raised a very important issue. He has raised the issue about the rebate that has been given to khadi...(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव : हमने हिंदी में बोला है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, वे जिस भाषा में बोल सकते हैं, उन्हें बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : ठीक है।

SHRI V. NARAYANASAMY: I understand the sentiments of the hon.Member on the issue which he has raised. I will convey the feelings of the hon. Member to the hon. Minister to reconsider the issue.

श्री लालू प्रसाद (सारण): महोदय, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने गरीबी, बेकारी उन्मूलन के लिए भारतवासियों को एक ही रास्ता विकल्प के रूप में दिखाया था। उन्होंने खादी, चरखा और खादी ग्रामोद्योग पर जोर दिया था। आज ग्लोबलाइजेशन के युग में विकल्प की तलाश हो रही है। बापू पहले बोलकर गये हैं कि लाखों लोग अपना भरण पोषण चरखा चलाकर करते हैं। ये बुनकर भाई भी हैं। बापू ने कहा था कि खादी आजादी की वर्दी है। खादी को बापू ने आजादी की वर्दी बताया था और हम लोग इसे मानते और स्वीकार करते हैं। सरकार की जो नीति है, आज पूरे देश में जितने भी खादी पर आश्रित, ग्रामोद्योग धन्धों पर आश्रित लोग हैं, वे हड़ताल पर हैं, हाहाकार मचा हुआ है। गरीब-गुरबा लोग, आदिवासी लोग, दलित लोग तमाम तबकों के लोग, खासकर बिहार, कलकत्ता, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा और जंगल के इलाकों में बुनकर भाई सब इससे अपना भरण पोषण करते हैं। सरकार ने गांधी बाबा के नाम का इस्तेमाल भी किया है। हर एक के नाम के अंत में गांधी लिखा हुआ है, चाहे सोनिया गांधी जी हों, राहुल गांधी जी हों या वरूण गांधी हों। आज यह सरकार बापू के बताये रास्ते को मटियामेट कर रही है। हम चाहते हैं कि उन्हें छूट, कमीशन दिया जाये और यह ग्रामोद्योग धंधा जीवित रहे, इसके लिए सरकार को साफ-साफ बताना चाहिए कि हम इस उद्योग धंधे को मिटने नहीं देंगे। इस पर छूट मिलनी चाहिए। बापू का नाम जीवित रहना चाहिए। खादी हमारी आजादी की वर्दी है, इसलिए हमने यह सवाल उठाया है। सरकार साफ-साफ जवाब दे। इन्हें कनवे करने से या उन्हें कनवे करने से कुछ नहीं होगा। पूरे हाउस को इसके बारे में बताया जाना चाहिए।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Nothing will go on record except what Shri Mahendra Kumar Roy says.

*(Interruptions) â€¦**

श्री लालू प्रसाद : सरकार कोई जवाब नहीं दे रही है, इसलिए हम वाक आउट करते हैं।

...(*Interruptions*)